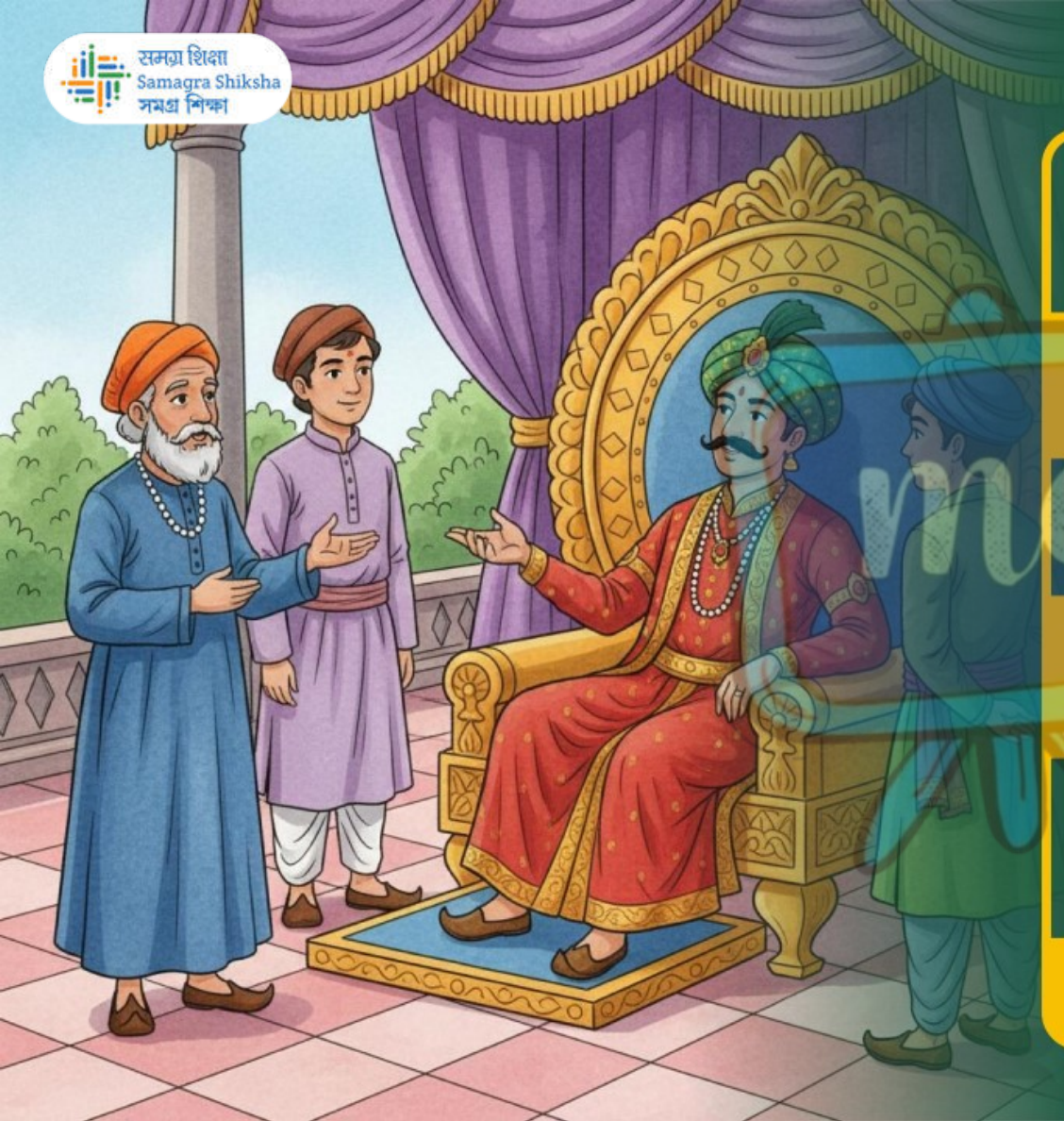


समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

कक्षा - 9

हिंदी (आलोक)

अध्याय – 2

परीक्षा

प्रेमचंद (1880-1936)

भाग – 4

अभ्यास-माला

कीर्ति बसुमतारी

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भाषा एवं व्याकरण ज्ञान



1. नीचे लिखी संज्ञाओं में जातिवाचक, व्यक्तिवाचक और भाववाचक संज्ञाएँ पहचानो :

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

देवगढ़ -

शक्ति -

दीवान -

जानकीनाथ -

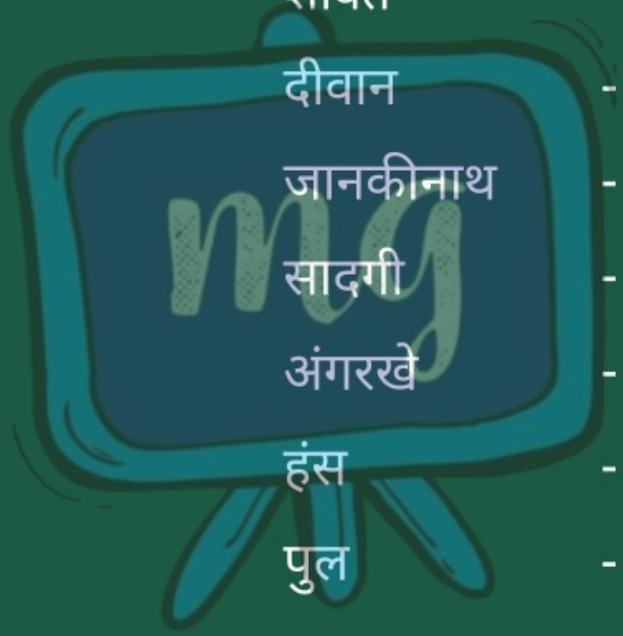
सादगी -

अंगरखे -

हंस -

पुल -

दया -



शिखर -

नारायण -

खिलाड़ी -



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

उत्तरः- व्यक्तिवाचक संज्ञा (Proper Noun): ये किसी विशेष व्यक्ति, स्थान या वस्तु का बोध कराते हैं।

देवगढ़, जानकीनाथ, नारायण ।

जातिवाचक संज्ञा (Common Noun): ये किसी संपूर्ण जाति या वर्ग का बोध कराते हैं।

दीवान, अंगरखे, हंस, पुल, खिलाड़ी , शिखर ।

भाववाचक संज्ञा (Abstract Noun): ये किसी गुण, दशा, या भाव का बोध कराते हैं।

शक्ति, सादगी, दया ।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. अनुभवशील' शब्द में 'अनुभव' तथा 'शील' शब्दों का योग है। इसका अर्थ है अनुभवी। 'शील' प्रत्यय लगाकर पाँच शब्द बनाओ।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. अनुभवशील' शब्द में 'अनुभव' तथा 'शील' शब्दों का योग है। इसका अर्थ है अनुभवी। 'शील' प्रत्यय लगाकर पाँच शब्द बनाओ।

उत्तरः- प्रत्यय (Suffixes) वे शब्दांश होते हैं जो किसी शब्द के अंत में लगकर उसके अर्थ में परिवर्तन या विशेषता ला देते हैं। 'शील' प्रत्यय अक्सर किसी की प्रकृति या स्वभाव को दर्शाता है।

नृत्य + कार = नृत्यकार

धन + वान = धनवान

शब्द + प्रत्यय	परिवर्तित शब्द	अर्थ
गति + शील	गतिशील	जो लगातार गति मे हो
कर्म + शील	कर्मशील	कर्म करने मे तत्पर
विचार + शील	विचारशील	समझदार एवं सोच समझ कर काम करने वाला
सहन + शील	सहनशील	सहने की क्षमता वाला
क्रिया + शील	क्रियाशील	कर्मठ

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. निम्नलिखित वाक्यों को कोष्ठक में दी गई सुचना के अनुसार परिवर्तन करो:

(क) खिलाड़ी लोग बैठे दम ले रहे थे। (सामान्य वर्तमान)

(ख) लंबा आदमी सामने खड़ा है। (पूर्ण भूतकाल)

(ग) ऐसे गुनवाले संसार में कम होते है। (सामान्य भविष्य)

(क) खिलाड़ी लोग बैठे दम ले रहे थे। (सामान्य वर्तमान)



(क) खिलाड़ी लोग बैठे दम ले रहे थे। (सामान्य वर्तमान)

उत्तर: परिवर्तित (सामान्य वर्तमान): खिलाड़ी लोग बैठे दम लेते हैं।

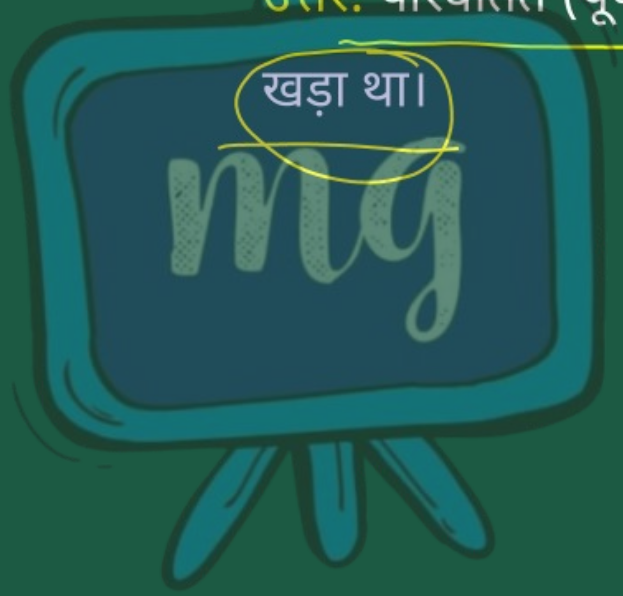


(ख) लंबा आदमी सामने खड़ा है। (पूर्ण भूतकाल)



(ख) लंबा आदमी सामने खड़ा है। (पूर्ण भूतकाल)

उत्तर: परिवर्तित (पूर्ण भूतकाल): लंबा आदमी सामने खड़ा था।

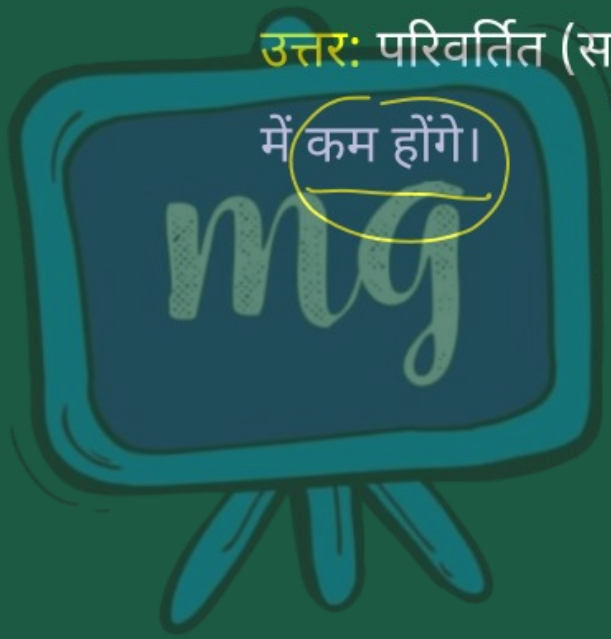


(ग) ऐसे गुणवाले संसार में कम होते है। (सामान्य भविष्य)



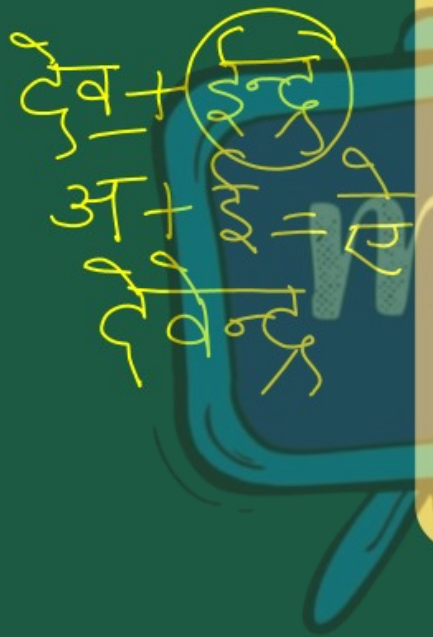
(ग) ऐसे गुणवाले संसार में कम होते है। (सामान्य भविष्य)

उत्तर: परिवर्तित (सामान्य भविष्य): ऐसे गुणवाले संसार में कम होंगे।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

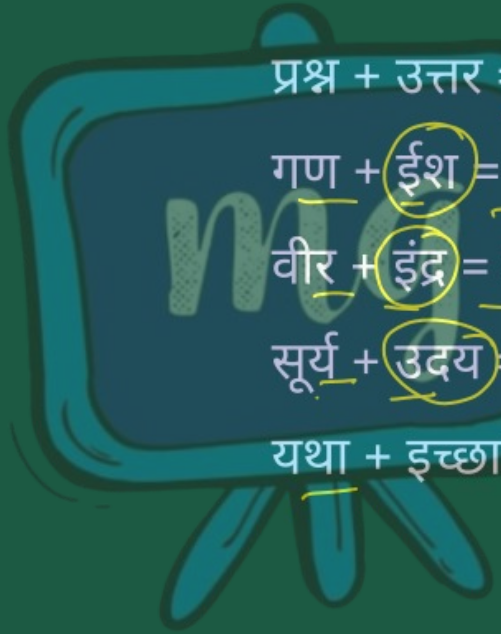


4. दो शब्दों में यदि पहले शब्द के अंत में 'अ', या 'आ', हो और बाद के शब्द के आरंभ में 'इ', 'ई' या 'उ', 'ऊ' हो तो उन दोनों में संधि होने पर क्रमशः 'ए' अथवा 'औ' हो जाता है, जैसे- देव + ईन्द्र = देवेन्द्र, महा + ईश = महेश, मन्त्र + उच्चारण = मंत्रोच्चारण, पर + उपकार = परोपकार।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

नीचे लिखे शब्दों में संधि कीजिए:



प्रश्न + उत्तर = प्रश्नोत्तर (अ + उ = ओ)

गण + ईश = गणेश (अ + ई = ए)

वीर + इंद्र = वीरेन्द्र (अ + इ = ए)

सूर्य + उदय = सूर्योदय (अ + उ = ओ)

यथा + इच्छा = यथेच्छा (आ+इ =ए

5. विलोम शब्द लिखो :

सज्जन – दुर्जन

उपस्थित – अनुपस्थित

उपयुक्त – अनुपयुक्त

अपकार – उपकार